महानिदेशक, सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा
प्रैस कतरनें
2 SEP 2021
पंजाब केसरी

हरियाणा कॉन्स्टेबल भर्ती पेपर लीक मामला

जिस पेन ड्राइव में पेपर के चारों सेट दिए वह पुलिस ने बरामद की

चंडीगढ़, (पंजाब केसरी): हरियाणा कॉन्स्टेबल भर्ती पेपर लीक मामले में पुलिस को वो पेन ड्राइव मिल चुकी है, जिसमें पेपर जम्मू से हरियाणा पहुंचा था। जिस कंप्यूटर से डाटा चुराया गया, उसकी हार्ड-डिस्क और डाटा पहुंचाने वालों का मोबाइल पुलिस ने कब्जे में लिया है। तीनों चीजें जम्मू कश्मीर से बरामद की गई हैं।

कैथल पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया है। 58 की गिरफ्तारी अभी बाकी है। कैथल पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह ने बताया कि जम्मू कश्मीर की पुलवामा प्रिंटिंग प्रेस के मैनेजर राकेश, कर्मचारी जितेंद्र कुमार व प्रश्न पत्र हासिल करने वाले एजाज अमीन को गिरफ्तार किया था। इन तीनों का 10 दिन का रिमांड हासिल किया गया था और इनसे पूछताछ में पेपर लीक की सभी कड़ियां सुलझी थीं। तीनों के कब्जे से पेन-ड्राइव, हार्ड-डिस्क व मोबाइल बरामद कर लिए गए हैं। उनकी टीम अभी जम्मू कश्मीर में ही आरोपी मोहम्मद अफजल व मुजफ्फर अहमद की तलाश कर रही है।

तैयार की है 88 आरोपियों की लिस्ट : कैथल पुलिस ने मामले में आरोपी 88 लोगों की लिस्ट तैयार की हुई है। इनमें वे सभी लोग शामिल हैं, जिन्होंने पेपर लीक किया, करवाया, पेपर लिया, पेपर दिया और दूसरे के स्थान पर पेपर देने व दिलवाने वाले शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने किया ऑटो अपील सॉफ्टवेयर 'आस' का लोकार्पण

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचना सरकार का लक्ष्य : मनोहर लाल

चंडीगढ़, (राजेश जैन, आहूजा, दीपक शर्मा): हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सूचना प्रौद्योगिकी को नए तरीके से परिभाषित करते हुए कहा कि आज के दौर में आईटी की सही परिभाषा इमिजिएट ट्रांसफॉरमेशन यानी तुरंत बदलाव है। उन्होंने कहा कि हमें हैपिनेस इंडेक्स की तरफ कदम बढ़ाने हैं। आईटी का इस्तेमाल करके 'ईज ऑफ लिविंग' अर्थात प्रदेश के आम आदमी के जीवन में सहूलियत लाना सरकार का उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को यहां हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग द्वारा सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से बनाए गए ऑटो अपील सॉफ्टवेयर 'आस' के लोकार्पण के मौके पर ये विचार व्यक्त किए। मनोहर लाल ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करके अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को उसके घर-द्वार पर सरकारी सेवाओं और योजनाओं का लाभ पहुंचाने के मकसद से यह सॉफ्टवेयर लॉन्च किया गया है। यह सरकारी सेवाओं की समयबद्ध तरीके से डिलीवरी में मील का पत्थर साबित होगा। इसके शुरू होने से लोगों को एक आस बंधी है और हमें इस आस को असल तक लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि लोगों की यह आस तभी पूरी हो सकती है, जब सभी सेवाओं को ऑनलाइन किया जाए।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग के ऑटो अपील सॉफ्टवेयर 'आस' का लोकार्पण करते हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो अधिकारी या कर्मचारी निर्धारित समय-सीमा के अंदर काम नहीं करता, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सेवा डिलीवरी में कोताही बरतने पर आयोग द्वारा तय की गई सजा पर सख्ती से अमल होना चाहिए। लेकिन जो अधिकारी और कर्मचारी समय से पहले काम कर देते हैं उन्हें इनाम भी मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी सुशासन दिवस को लगभग 4 महीने बाकी हैं, इस दौरान हर कर्मचारी का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

मनोहर लाल ने कहा कि ऑटो अपील सॉफ्टवेयर एक अच्छी शुरुआत है। लेकिन अभी इसके बारे में लोगों में जागरूकता की कमी है। इसलिए अभियान चलाकर लोगों को यह बताने की जरूरत है कि उनकी समस्या का समाधान घर बैठे भी हो सकता है।

उन्होंने कहा कि इस समय 31 विभागों के 38 संगठनों की 546 अधिसूचित सेवाओं में से 277 सेवाएं अंत्योदय सरल पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जबकि 269 सेवाएं ऑफलाइन प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने विभिन्न विभागों के प्रशासकीय सचिवों को निर्देश दिए कि बाकी सेवाओं को भी जल्द से जल्द ऑनलाइन किया जाए।

उन्होंने कहा कि 26 अक्तूबर 2014 को जब मैंने जनसेवा का दायित्व संभाला था, उस समय मुख्यमंत्री, मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों के घर व दफ्तर के बाहर लोगों की लाइन लगी रहती थी। उन्हें हर छोटे-बड़े काम के लिए प्रदेश की राजधानी आना पड़ता था। आजाद भारत में मुझे यह सब देखकर बड़ी पीड़ा होती थी और अक्सर सोचता था कि क्यों न लोगों के काम घर बैठे हों, उन्हें अपने काम के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें।

कार्यभार संभालने के मात्र डेढ़ महीने के भीतर मौजूदा सरकार ने सीएम विंडो लॉन्च करके आम आदमी को घर बैठे शिकायत दर्ज करवाने का अधिकार दिया। अब तक इस पर लगभग 9 लाख शिकायतें दर्ज करवाई जा चुकी हैं, जिनमें से सवा आठ लाख शिकायतों पर कार्रवाई की गई है।

पंजाब केसरी